

## सात ज़िलों की छात्राओं ने महात्मा गांधी वदियालय में सैटेलाइट और ड्रोन कथि लॉन्च चर्चा में क्योँ?

4 नवंबर, 2022 को राजस्थान के जयपुर के महात्मा गांधी राजकीय वदियालय (पूर्व राज. बालकिा उच्च माध्यमकि वदियालय) मालवीय नगर में 3 दविसीय 'पीको सैटेलाइट इवेंट' के ग्रैंड फनिले में प्रदेश के सात ज़िलों से चयनति एवं प्रशकिषति 30 छात्राओं ने छोटे सैटेलाइट और ड्रोन को संचालति कथि।

### प्रमुख बदि

- अजमेर, अलवर, बूंदी, जयपुर, भरतपुर, झुँगरपुर, झुंझुनुं ज़िलों की इन छात्राओं ने वभिनिन चरणों से गुज़र कर गत तीनदविसीय कार्यशाला में ड्रोन एवं उपग्रह की डज़ाइन करना, नरिमाण करना और लॉन्च करना सीखा।
- वदियालय की प्रधानाचार्या नशिासिहि ने बताया किस्टेम, अर्थात् साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्मेटकिक्स फॉर गर्ल्स इंडिया के तहत आईबीएम इंडिया और अमेरकिन इंडिया फाउंडेशन (एआईएफ) राजस्थान के 10 ज़िलों में 306 सरकारी स्कूलों की छात्राओं को उपग्रह, ड्रोन और अंतरकिष प्रौद्योगिकी में प्रशकिषति करने के लयि एक साथ आए हैं, ताकि उन्हें उन्नत स्टेम कौशल के साथ सशक्त बनाकर स्टेम में शकिषा और करियर बनाने में मदद की जाए।
- उल्लेखनीय है कि दोनों संस्थाओं ने मलिकर 2 से 4 नवंबर तक जयपुर में 'पीको सैटेलाइट इवेंट'का आयोजन कथि, जसिके लयि राजस्थान के वभिनिन सरकारी स्कूलों की 30 छात्राओं ने एक कार्यशाला में भाग लयि, जसिमें उन्हें ड्रोन और उपग्रह की डज़ाइन, नरिमाण और लॉन्च करना सिखाया गया।
- 500 छात्राओं के एक बैच में से चुनी गई इन 30 छात्राओं को कई कार्यशालाओं और ऑनलाइन परीक्षाओं के बाद कठोर, गहन प्रशकिषण से गुज़रना पड़ा।
- छात्राओं द्वारा बनाए गए इन उपग्रहों द्वारा लयि गए डाटा का उपयोग भारतीय अनुसंधान परिषद और कृषि अनुसंधान केंद्र द्वारा कथि जाएगा।
- छात्राओं को उपग्रह, ड्रोन और अंतरकिष प्रौद्योगिकी के बारे में अधिकि जानकारी प्रदान करने हेतु इस कषेत्र में उच्च शकिषा की आकांक्षा को बढ़ावा देने एवं उपग्रहों और ड्रोन को असेंबल करने का व्यावहारकि अनुभव प्रदान करने के साथ जागरूकता, आत्मवशिवास, कौशल को वकिसति करने के उद्देश्य से इस परयोजना को तैयार कथि गया है।